

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
RAJYA SABHA

STARRED QUESTION NO. 83
TO BE ANSWERED ON TUESDAY, 30TH JULY 2024/SRAVANA 8, 1946 (SAKA)

“PRINTING AND DESTRUCTION OF ₹2,000 NOTES”

***83: SHRI SANDEEP KUMAR PATHAK,**

Will the Minister of Finance be pleased to state:

- (a) the number of ₹2,000 notes printed so far;
- (b) the estimated cost of printing and destruction of total ₹2,000 notes respectively;
- (c) the number of notes that have been returned to the banks/RBI from the day of announcement of its withdrawal till date, bank-wise and State-wise; and
- (d) on recommendation of which committee, Government decided to introduce notes of ₹2,000 and on recommendation of which committee the same was withdrawn and the reasons thereof along with the impact of introduction and withdrawal of ₹2,000 notes respectively on Indian economy?

ANSWER

**FINANCE MINISTER
(SMT. NIRMALA SITHARAMAN)**

(a) to (d): A Statement is laid on the Table of the House.

Statement referred to in reply to parts (a) to (d) of Rajya Sabha Starred Question No. 83 for 30.07.2024

(a): As per Reserve Bank of India (RBI), the total supply of ₹2000 denomination banknotes so far has been 3702 million pieces of value ₹7.40 lakh crore.

(b) & (c): As per RBI, the total expenditure incurred on security printing for all denominations during July 2016-June 2017 and July 2017-June 2018 is ₹7965 crore and ₹4912 crore, respectively. The cost of printing of ₹2000 denomination banknotes was ₹3540 per thousand pieces. Expenditure on the exercise of withdrawal of ₹2000 notes has not been calculated separately. As on May 19, 2023, when the withdrawal from circulation was announced, total value of ₹2000 denomination banknotes in circulation was ₹3.56 lakh crore. The value of ₹2000 banknotes returned till June 30, 2024 is ₹3.48 lakh crore. All banks were allowed to deposit and exchange ₹2000 banknotes from public and these banknotes were deposited in various currency chests of the same as well as other banks. The RBI maintains currency chest-wise data. However, bank-wise/state-wise data is not maintained.

(d): The ₹2000 banknote was introduced by RBI on November 10, 2016 under section 24 (1) of the RBI Act, 1934, primarily to meet the currency requirement of the economy, in an expeditious manner after the withdrawal of legal tender status of all ₹500 and ₹1000 banknotes, which constituted 86.4% of the value of Notes in Circulation (NIC) at that time. The objective of introducing ₹2000 banknotes was met once banknotes in other denominations became available in adequate quantities. The withdrawal of ₹2000 denomination banknotes is being carried out as a normal currency management operation exercise on an ongoing basis. Moreover, the stock of banknotes in other denominations is adequate to meet the currency requirement of the public. The life span of ₹2000 notes, most of which were issued prior to March 2017, was close to the end of their useful life. Also, as per RBI, ₹2000 banknotes were no longer being preferred for transactions.

On due consideration of the above facts and in pursuance of "Clean Note Policy" of the Reserve Bank, it was decided by RBI to withdraw ₹2000 banknotes from circulation. The withdrawal of ₹2000 denomination notes on May 19, 2023 resulted in a smaller increase in currency in circulation (3.9% in 2023-24 as against 7.8% in 2022-23). The lower outgo of currency results in improvement in banking system liquidity. The public at large was also informed of the rationale of the measure through a press release issued on May 19, 2023 by the Reserve Bank of India.

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 83
जिसका उत्तर मंगलवार, 30 जुलाई 2024/8 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है)

“₹2,000 के नोटों का मुद्रण और उन्हें नष्ट किया जाना”

***83: श्री संदीप कुमार पाठक,**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपया करेंगे कि:

- (क) अब तक ₹2,000 के कितने नोट मुद्रित किए जा चुके हैं;
- (ख) ₹2000 के कुल नोटों के मुद्रण और उन्हें नष्ट करने की अनुमानित लागत क्रमशः कितनी-कितनी है;
- (ग) ₹2000 के नोटों को वापस लिए जाने की घोषणा के दिन से लेकर आज तक बैंकों/आरबीआई को ऐसे कितने नोट वापस किए गए हैं, तत्संबंधी बैंक-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
- (घ) किस समिति की सिफारिश पर सरकार ने ₹2000 के नोट चलाने का फैसला किया और किस समिति की सिफारिश पर इसे वापस लिया गया और इसके क्या कारण हैं तथा ₹2000 के नोटों को क्रमशः चलाने और वापस लिए जाने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर
वित्त मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमन)

(क) से (घ) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है

दिनांक 30.07.2024 के लिए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 83 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों की कुल आपूर्ति 3702 मिलियन पीसेस थी, जिनका मूल्य ₹7.40 लाख करोड़ था ।

(ख) और (ग): आरबीआई के अनुसार, जुलाई 2016-जून 2017 और जुलाई 2017-जून 2018 के दौरान सभी मूल्यवर्ग के लिए सुरक्षा मुद्रण पर कुल व्यय क्रमशः 7965 करोड़ रुपये और 4912 करोड़ रुपये है। ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों की छपाई की लागत ₹ 3540 प्रति हजार इकाई थी। ₹ 2000 नोटों की वापसी की प्रक्रिया पर व्यय की गणना अलग से नहीं की गई है। 19 मई, 2023 को, जब प्रचलन से वापसी की घोषणा की गई थी, प्रचलन में ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों का कुल मूल्य ₹3.56 लाख करोड़ था। 30 जून, 2024 तक लौटाए गए ₹2000 बैंकनोटों का मूल्य ₹3.48 लाख करोड़ है। सभी बैंकों को जनता से ₹ 2000 बैंकनोट जमा करने और विनिमय करने की अनुमति दी गई थी और इन बैंकनोटों को उन्हीं बैंकों के साथ-साथ अन्य बैंकों के विभिन्न मुद्रा तिजोरियों में जमा किया गया था। आरबीआई करेंसी चेस्ट-वार डेटा रखता है। तथापि, बैंक-वार/राज्य-वार आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

(घ): ₹500 और ₹1000 के बैंकनोट, जो उस समय परिचालन में नोटों के मूल्य का 86.4% थे, की वैध मुद्रा प्रकृति को रद्द करने के बाद, 10 नवंबर, 2016 को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 24(1) के तहत ₹2000 के बैंकनोट को मुख्यतः अर्थव्यवस्था की मुद्रा आवश्यकता को पूरा करने के लिए लाया गया था। ₹ 2000 बैंकनोट शुरू करने का उद्देश्य अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोटों के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने के बाद पूरा हो गया था। ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों की वापसी निरंतर आधार पर एक सामान्य मुद्रा प्रबंधन प्रक्रिया के रूप में की जा रही है। इसके अलावा, अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोटों का स्टॉक जनता की मुद्रा आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। ₹ 2000 के नोटों का जीवन काल, जिनमें से अधिकांश मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे, उनके उपयोगी जीवन के अंत के करीब थे। इसके अलावा, आरबीआई के अनुसार, 2000 रुपये के बैंकनोटों को अब लेनदेन के लिए पसंद नहीं किया जा रहा था।

उपर्युक्त तथ्यों पर सम्यक विचार करने पर और रिज़र्व बैंक की "स्वच्छ नोट नीति" के अनुसरण में, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ₹2000 के बैंकनोटों को परिचालन से वापस लेने का निर्णय लिया गया। 19 मई, 2023 को ₹2000 मूल्यवर्ग के नोटों की निकासी के परिणामस्वरूप प्रचलन में मुद्रा में थोड़ी वृद्धि हुई (2022-23 में 7.8% के मुकाबले 2023-24 में 3.9%)। मुद्रा के कम बहिर्गमन के परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली की नकदी में सुधार होता है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 19 मई, 2023 को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बड़े पैमाने पर जनता को इस कदम के औचित्य के बारे में भी सूचित किया गया था।

MR. CHAIRMAN: There is only one supplementary of Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba.

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA: Sir, I have given supplementary in respect of Q.No. 82, not in respect of 83. It was over.

MR. CHAIRMAN: It doesn't matter; next time. So, no supplementaries. Now, next Question. Question No. 84.